विज्ञान-तकनीक प्रवाह

त्रैमासिक समाचार पत्र

विशेषांक, फरवरी 2025

www.himtu.ac.in

नशे के विरुद्ध जागरूकता रैली

हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय

हमीरपुर-177001

हमीरपुर में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों से मिलते माननीय राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल

युवा शक्ति ही तोड़ सकती है नशे का जालः शिव प्रताप शुक्ल

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि नशे के जाल को तोड़ने का काम केवल हमारी युवा शक्ति ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि नशे के चंगुल से दृढ़संकल्पित होकर बाहर निकला जा सकता है। राज्यपाल ने पांच फरवरी, 2025 को हमीरपुर के गौड़ा स्थित गौतम ग्रुप ऑफ कॉलेज परिसर में नशे के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। यह कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय और गौतम ग्रुप ऑफ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने नशे के विरूद्ध जागरूकता रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थी नशे के विरूद्ध रैली में सहभागी बने हैं। उन्होंने कहा कि वीरों की भूमि में अगर युवा नशे के चंगुल में फसेंगे तो युवा सेना में भर्ती नहीं हो पाएंगे और अगर नशे की पहुंच शैक्षणिक संस्थानों में होगी तो हम भावी चिकित्सक और इंजीनियर नहीं बना पाएंगे।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रथम शिष्टाचार भेंट के दौरान उन्होंने राज्य में बढ़ती नशे की समस्या पर चिंता व्यक्त की थी। इसलिए प्रदेश में 'नशा मुक्त हिमाचल–स्वस्थ हिमाचल' अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने पंचायती राज संस्थानों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संस्थान और नारी शक्ति इस बुराई से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जनप्रतिनिधि और ग्रामीण स्तर पर नारी शक्ति इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि समाज में नई सोच और जागरूकता के माध्यम से ही हिमाचल को नशामुक्त बनाया जा सकता है।

हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक भगत सिंह ने जिला की पहल 'हमीरपुर वार अगेंस्ट ड्रग्स' के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिसमें स्कूल, कॉलेज और स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

इस अवसर पर ओपी शर्मा, डॉ. रजीत, मनोचिकित्सक और शिक्षाविदों सहित विशेषज्ञों ने नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभावों और इससे बचने संबंधी रणनीतियों, परामर्श और पुनर्वास की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो. शशि कुमार धीमान ने राज्यपाल का स्वागत किया।

इससे पहले, राज्यपाल ने गौड़ा में आयुष्मान नशा मुक्ति केंद्र का दौरा किया और सुविधाओं का जायजा लिया। छात्रों ने नशे के विरूद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए नाटक प्रस्तुत किए और राज्यपाल ने केंद्र के निदेशक आयुष्मान कुमार को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। तकनीकी विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. जयदेव ने कार्यक्रम में मंच संचालन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा, उपायुक्त अमरजीत सिंह, तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव कमलदेव सिंह कंवर और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

HAMIRPUR

"SAY NO TO DRUGS SAY YES TO LIFE"
"DRUGS ARE LIKE KNIFE, WHICH KILLS YOUR ENTIRE LIFE"
"जन जन तक यह संदेश पहुंचाना है, नशे का दूर भगाना है।"

GAUTAM COLLEGE OF PHARMACY
UNNAT BHARAT ABHIYAN

नशे के विरूद्ध जागरूकता रैली
दिनांक : 05-02-2025
हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर

JHM ACADEMY PUBLIC SCHOOL

DENTAL CLINIC
vivo
ASPIRE

नशे को छुड़ाने के लिए डाक्टरी सलाह जरूरी

नशे के बारे में जब भी बात करते हैं तो हम सब की धारणा यही होती है की नशे का उपयोग सिर्फ असामाजिक लोग करते है। जबकि वास्तविकता ये है की नशा एक मानसिक बीमारी है अन्य रोगों की तरह जिसका इलाज करवाना जरूरी है। नशे का शिकार अक्सर युवा लोग होते हैं जो इसका इस्तेमाल शुरुवात में मनोरंजन के लिए किया जाता है , पर धीरे धीरे इसकी शरीर को आदत लग जाती है और इस से बाहर आना मुश्किल हो जाता है। लोग जब इसे छोड़ने की कोशिश करते हैं तो उन्हें withdrwal के लक्षण आते हैं और वो उसे छोड़ नहीं पाते। नशे की वजह से दिमाग के कुछ सर्किट्स और neurotransmitters में दिक्कत आती है और दिमाग और शरीर इस नशे का आदि हो जाता है। नशे की बीमारी से इंसान पूर्ण रूप से ठीक हो जाता है अगर उसे सही समय पर इलाज किया जाये। लोगों को नशे को छुड़ाने के लिए डाक्टरी सलाह जरूरी है। परिवार की जिम्मेदारी बन जाती है की वो लोग नशे से पीड़ित रोगी का सही इलाज करायें और उनको नशे के लत छोड़ने में मदद करें।

डॉ. रजीत
मनोचिकित्सक, RKGMC हमीरपुर

जो हाल हुआ मेरा वो अपना न करना

घर गृहस्थी सब खत्म हुई
इज्जत मेरी बेइज्जत हुई।
पत्नी बच्चे है सब दुखी
अपनी जिंदगी मैंने खुद बर्बाद की।

हूं आगे बहुत निकल चुका
नशे में डूबा हुआ।
सही गलत में फर्क नहीं
अब रहा मैं सामाजिक नहीं।

है सबके लिए संदेश मेरा
जो हाल हुआ मेरा वो अपना न करना।

आगे है हम सबको बढ़ना
नशे की आदत से परहेज करना।
है अपने जीवन को सुखमय बनाना
शराब, चिट्टे और सिगरेट से दूर रहना।

बनो एक जिम्मेदार तुम
निभाओ बेटे का फर्ज तुम।
किस्मत से मिला है यह जन्म
बनो किसी का सहारा तुम।

कुल का दीपक वही है जो
नाम करे अपने कुल का।
श्रवण कुमार न बन सको तों क्या
अहम है काबिल इंसान बनाना।

हो फक्र संतान पर जिस मां को
ऐसी तुम संतान बनो।
किसी के राहों का दीपक बन
जीवन अपना सफल करो।

अनन्या
पर्यटन विभाग,
हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर

परिवार का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण

क्या हो रहा नौजवानों को, देश के सपूत महानों को
तरह तरह के शौक है पाले, पड़ रहे हैं जीवन के लाले
कहीं चल रहा दौर जाम का , कहीं सिगरेटों की लगी झड़ी है
किसी ने खा रक्खी है खैनी, तो बहुतों के सर पे भांग चढ़ी है
कोई कर रहा नशा घरों में, तो कुछ क्लब में भी चले जाते
कोई भर रहा गांजा सिगरेट में, तो कुछ चाट के ही खा जाते
नाना प्रकार के नशे यहाँ पर,नशों में बड़ी विविधता है
सबको पता है गलत शौक है, पर फिर भी नहीं समझता है
सम्भल जाओ ओ नौजवानों, नशे में कुछ नहीं रखा है
क्यों बुला रहे उन बीमारियों को, जो देती घर और जीवन को धक्का है

हम सब जानते हैं कि नशा हमारी युवा पीढ़ी के लिए एक बड़ा संकट बन चुका है। यह न केवल शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाता है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्तर पर भी इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। नशे की लत से प्रभावित व्यक्ति का समाज में स्थान घटने लगता है और वह आत्म-संस्कार और आत्मविश्वास की कमी महसूस करता है। इसका असर केवल उस व्यक्ति तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि यह उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है।

नशे के खतरों से खुद को अवगत कराना सबसे पहला कदम है। जब युवा यह समझेंगे कि नशा उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, तो वे इसके खिलाफ खड़े होने का साहस पाएंगे। हम सभी को आत्म-नियंत्रण और दृढ़ इच्छाशक्ति के महत्व को समझना होगा। हमें यह जानने की जरूरत है कि जीवन में अनुशासन और समय का सही उपयोग ही सफलता की कुंजी है। नियमित व्यायाम, सही आहार और मानसिक शांति के लिए ध्यान जैसी आदतें हमारे जीवन को नशे से दूर रख सकती हैं।

इसके साथ ही, परिवार का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। परिवार वह पहली जगह है, जहाँ हम मानसिक और भावनात्मक सहारा प्राप्त करते हैं। यदि हमारे घर में प्यार, समझ और समर्थन का वातावरण हो, तो हम किसी भी बुरी आदत से दूर रह सकते हैं। परिवार में खुले संवाद का वातावरण बनाना चाहिए, ताकि बच्चों को अपने विचार, समस्याएँ और चिंताएँ बिना किसी डर के साझा करने का अवसर मिले। यही विश्वास और संवाद उन्हें नशे जैसी बुरी आदत से बचा सकता है।

अब बात करते हैं समाज के स्तर पर इस समस्या से लड़ने की। नशे के खिलाफ समाज में जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर नशे के खतरों के बारे में जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी इस विषय में पूरी तरह से शिक्षित हो सके।

समाज में एकजुटता का होना भी जरूरी है। यह केवल परिवारों का कार्य नहीं है, बल्कि यह समाज का भी कार्य है कि वह इस समस्या से लड़ने में मदद करें। समाज को नशे की लत से लड़ने के लिए एक सहायक वातावरण प्रदान करना चाहिए, ताकि युवा खुद को सुरक्षित महसूस करें और गलत आदतों से बचने के लिए प्रेरित हो सकें।

प्रांजल
बीटेक, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर

समाज को नशे के खिलाफ जागरूक करने में निभाएं भूमिकाः प्रो. शशि धीमान

आज समाज को नशा मुक्त बनाने में हर व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। अगर आपके परिवार या आसपास कोई व्यक्ति नशा करते है, तो उसे नशे से बाहर निकालना भी हमारा कर्तव्य है। यह बात हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के कुलपति प्रो शशि कुमार धीमान ने कही। प्रो धीमान ने शुक्रवार को हमीरपुर जिला के निजी स्कूल ट्विंकल स्टार पब्लिक स्कूल घनेड़ के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान में सभी सक्रिय भूमिका निभाएं, जिससे एक बेहत्तर समाज का निर्माण हो सकें। साथ ही शिक्षकों से भी आग्रह किया वे भी विद्यार्थियों को समय–समय पर समाज के प्रति उनके दायित्व और नैतिक मूल्यों के बारे में अवगत करें। कुलपति ने कहा कि समाज के सर्वांगिण विकास के लिए राष्टीय शिक्षा नीति–2020 पूरे देश में लागू की जा रही है, जिसका उद्देश्य भावी पीढ़ी का संपूर्ण विकास है। विद्यार्थियों में भाषा, विज्ञान, खेल और कौशल को विकसित करने में शिक्षा नीति योगदान देगी। इससे पूर्व स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। सरस्वति पूजन के बाद विद्यार्थियों ने नशे के खिलाफ नाटक पेश किया। इसके अलावा देशभक्ति गीत और पहाड़ी नाटी पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। स्कूल प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य प्रताप सिंह वर्मा ने वार्षिक रिपोर्ट रखी और स्कूल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

जिला हमीरपुर के भोरंज उपमंडल के तहत स्वामी विवेकानंद शिक्षा महाविद्यालय तरकवाड़ी द्वारा युवाओं को जागरूक करने की दृष्टि से नशे के खिलाफ समाज में शुरू किए गए अभियान को ध्यान में रखते हुए 12 जनवरी, 2025 को वार्षिक समारोह आयोजित किया। समारोह में मुझे बतौर मुख्यातिथि शिरकत करने का असर मिला। महाविद्यालय के शिक्षा विभाग के प्रशिक्षुओं ने इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटक के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। इसके अलावा भाषण प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें

भांग का औषधीय उपयोग हो तो ठीक, वरना विधेयक पर करेंगे विचार : शुक्ल

बोले-अभिभावक बच्चों की नशे से मौत की जानकारी अपमान के डर से छिपा रहे, नशा निवारण को लेकर पीएम से कर चुके बात

नशे के विरुद्ध जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाते राज्यपाल। -संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

हमीरपुर। भांग की खेती योजनाबद्ध तरीके से औषधीय उपयोग के लिए तो ठीक है लेकिन यदि प्रदेश में नशे के हालात को देखकर विधेयक की स्वीकृति पर विचार करना पड़ेगा तो करेंगे।

यह बात राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने हमीरपुर में एक निजी कॉलेज में आयोजित नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों से कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थिति यह है कि मां-बाप अपमान न हो, इसके लिए यह छिपाते हैं कि नशे के कारण उनके बच्चों की मौत हुई है। यह कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय और निजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

इससे पहले राज्यपाल ने नशे के विरुद्ध जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थी नशे के विरुद्ध रैली में सहभागी बने हैं। उन्होंने कहा कि वीरों की भूमि में अगर युवा नशे के चंगुल में फंसेंगे तो युवा सेना में भर्ती नहीं हो पाएंगे। अगर नशे की पहुंच शैक्षणिक संस्थानों में होगी तो हम भावी चिकित्सक और इंजीनियर नहीं बना पाएंगे।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पहली शिष्टाचार भेंट में उन्होंने राज्य में बढ़ती नशे की समस्या पर चिंता व्यक्त की थी। उनसे चर्चा के बाद प्रदेश में नशामुक्त हिमाचल-स्वस्थ हिमाचल अभियान चलाया जा रहा है।

नशामुक्ति केंद्र का दौरा किया

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने गौड़ा में आयुष्मान नशामुक्ति केंद्र का दौरा किया और सुविधाओं का जायजा लिया। छात्रों ने नशे के विरुद्ध जागरूकता के लिए नाटक प्रस्तुत किए।

हमीरपुर • तकनीकी विश्वविद्यालय और गौतम ग्रुप ऑफ कॉलेज ने संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया कार्यक्रम

राज्यपाल बनने से पहले हिमाचल की सुनी थीं अच्छाइयां, पीएम से मिला तो यहां बढ़ते नशे पर जताई थी चिंता, युवा ही तोड़ सकते हैं नशे की चेनः शुक्ल

भास्कर न्यूज | हमीरपुर

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह और राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल।

वॉर अगेंस्ट ड्रग्स अभियान चलाया

युवा ही तोड़ सकते हैं नशे की सप्लाई चेन

हमीरपुर में जागरूकता अभियान के दौरान राज्यपाल शुक्ल के बोल

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – हमीरपुर

युवा शक्ति ही तोड़ सकती है नशे का जाल : शिव प्रताप शुक्ल

■ राज्यपाल ने हमीरपुर में नशे के खिलाफ जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

...पाएंगे। उन्होंने पंचायती राज संस्थानों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये संस्थान और...

युवा ही तोड़ सकते हैं नशे की सप्लाई चेन : राज्यपाल

बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान दें संस्थान

नशे के खिलाफ गरजा हमीरपुर शहर

छात्रों ने निकाली रैली; राज्यपाल ने रैली को दिखाई हरी झंडी, सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने रैली में लिया भाग

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – हमीरपुर

हमीरपुर : परिधि गृह हमीरपुर में नशे के विरुद्ध विद्यार्थियों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल

■ सर्किट हाउस से गांधी चौक होते हुए गौड़ा तक नारे लगाते पहुंचे स्टूडेंट्स

20-25 वर्ष के युवा हो रहे आदी

हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक भगत सिंह ने कहा कि नशे के मामले में शिक्षण संस्थान सबसे अधिक असुरक्षित और संवेदनशील हैं। सबसे चिंता इस बात की है कि 20 से 25 वर्ष के युवा नशे के आदी हो रहे हैं और मौत का आंकड़ा भी बढ़ रहा है।

...आंदोलन चलाया है। प्रदेश में नशे के खिलाफ लोग खुल कर बोलने लगे हैं। गौतम ग्रुप ऑफ कालेज के सचिव डा. रजनीश गौतम ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने नशे के विरूद्ध जागरूकता रैली को झण्डी दिखाकर किया रवाना

देवभूमि मिरर/हमीरपुर

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि नशे के जाल को तोड़ने का काम केवल हमारी युवा शक्ति ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि नशे के चंगुल से दृढ़संकल्पित होकर बाहर निकला जा सकता है। राज्यपाल ने आज हमीरपुर के गौड़ा स्थित गौतम ग्रुप ऑफ कॉलेज परिसर में नशे के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। यह कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय और गौतम ग्रुप ऑफ कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने नशे के विरूद्ध जागरूकता रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थी नशे के विरूद्ध रैली में सहभागी बने हैं। उन्होंने कहा कि वीरों की भूमि में अगर युवा नशे के चंगुल में फसेंगे तो युवा सेना में भर्ती नहीं हो पाएंगे और अगर नशे की पहुंच शैक्षणिक संस्थानों में होगी तो हम भावी चिकित्सक और इंजीनियर नहीं बना पाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रथम शिष्टाचार भेंट के दौरान उन्होंने राज्य में बढ़ती नशे की समस्या पर चिंता व्यक्त की थी। इसलिए प्रदेश में 'नशा मुक्त हिमाचल-स्वस्थ हिमाचल' अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने पंचायती राज संस्थानों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संस्थान और नारी शक्ति इस बुराई से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। जनप्रतिनिधि और ग्रामीण स्तर पर नारी शक्ति इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत है।

नशे की पहुंच शैक्षणिक संस्थानों में होगी, तो भावी चिकित्सक व इंजीनियर नहीं बन पाएंगे : राज्यपाल

हमीरपुर, (आपका फैसला)।

घुमारवीं कालेज में सात

राज्यपाल ने नशे के खिलाफ जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

नशों के खिलाफ युवाओं को ही रोल मॉडल बनना होगा : शिव प्रताप शुक्ल

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

रैली को रवाना करते हुए हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल।

Youth can play key role in curbing drug menace: Governor

HAMIRPUR, FEBRUARY 5

Youth can play a major role in breaking supply chain of drugs in the state and protect others from falling prey to drug paddlers, said Shiv Pratap Shukla, Governor, while speaking at Gautam Group of Colleges (GGC) here today.

"If drugs infiltrate the land of warriors, there will be no soldiers, if they reach educational institutions, we will lose future doctors and engineers," Governor said. He said that during his first meeting with Prime Minister Narendra Modi, PM expressed concern over the rising drug menace in Himachal Pradesh. He said that he was inspired by PM and launched the "Nasha Mukt Himachal – Swasth Himachal" campaign in the state. — PTI

राज्यपाल बोले, नशे में फंस गया युवा तो सेना में भर्ती कैसे होगा

नशे के विरुद्ध जगाई अलख जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

औषधीय उपयोग हो तो ठीक, वरना भांग की खेती के विधेयक पर करेंगे विचार : शुक्ल

राज्यपाल बोले-बच्चों की नशे से मौत की जानकारी छिपा रहे अभिभावक

संवाद न्यूज एजेंसी

हमीरपुर। भांग की खेती योजनाबद्ध तरीके से औषधीय उपयोग के लिए तो ठीक है लेकिन यदि प्रदेश में नशे के हालात को देखकर विधेयक की स्वीकृति पर विचार करना पड़ेगा तो करेंगे। यह बात राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने हमीरपुर में एक निजी कॉलेज में आयोजित नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों से कही।

नशे के विरुद्ध जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाते राज्यपाल। -संवाद

हमीरपुर में राज्यपाल ने नशे के विरुद्ध जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

शुक्ल ने नशामुक्ति केंद्र का दौरा किया

युवाओं की भागीदारी से ही नशे के खिलाफ जीती जा सकती है जंग : शिव प्रताप शुक्ल

कहा, नशा मुक्त हिमाचल-स्वस्थ हिमाचल' अभियान को मिला जनसमर्थन

राज्यपाल ने हमीरपुर में नशे के खिलाफ जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

प्रकाशक

कुलसचिव, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय

के लिए जनसंपर्क कार्यालय, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित